उत्पत्ति 26: प्रतिमान (पैटर्न)

समानान्तर ब्रह्माण्ड

- हमारे परिचित चार आयामों (चौड़ाई, लंबाई, ऊँचाई, समय) से अधिक आयाम
- हमारा ब्रह्माण्ड क्रमबद्ध और पैटर्नों से भरा हुआ है
- बुद्धिमान डिजाइन

वैज्ञानिक पद्धति

एक धर्मनिरपेक्ष मानवतावादी प्रणाली

अवलोकन

↓

परिकल्पना

↓

प्रयोग

↓

निष्कर्ष

- हमें सिखाया गया है कि हम बाइबिल का अध्ययन **धर्मनिरपेक्ष मानवतावादी** विधियों से करें।
- बाइबिल **धर्मनिरपेक्ष मानवतावादी** दस्तावेज़ **नहीं** है!
- बाइबिल में "क्यों?" की खोज हमें अंधेरी गलियों में ले जाती है।
- हम एक **ब्रह्माण्ड** और **जीवन व्यवस्था** हैं जिसमें **स्वरूप** विद्यमान हैं।
- बाइबिल में बार-बार आने वाले दोहराव और चक्र **परमेश्वर के स्वरूप** हैं।

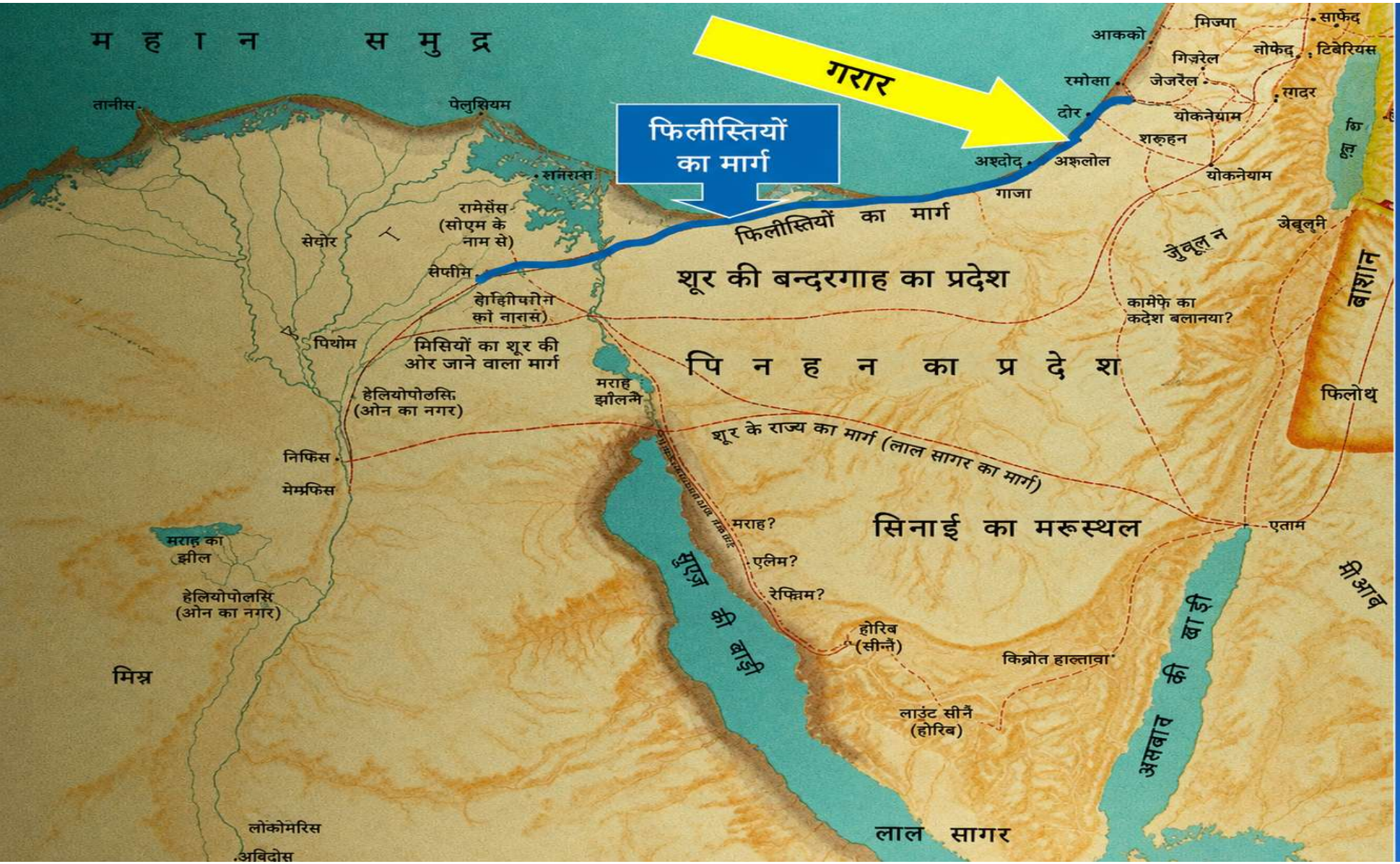
महान समुद्र
गरार
फिलीस्तियों का मार्ग
तानीस
पेलुशियम
शनेरास
रामेसेस (सोएम के नाम से)
सेवोर
सेपीम
होहीकोन का नारास)
पिथोम
मिसियों का शूर की ओर जाने वाला मार्ग
हेलियोपोलसि (ओन का नगर)
निफिस
मेम्फिस
मराह का झील
हेलियोपोलसि (ओन का नगर)
मिस्र
लोकोमेरिस
अबिदोस
फिलीस्तियों का मार्ग
शूर की बन्दरगाह का प्रदेश
मराह झीलनमे
पिनहन का प्रदेश
शूर के राज्य का मार्ग (लाल सागर का मार्ग)
मराह?
एलीम?
रेफ़िम?
सिनाई का मरूस्थल
सूएज़ की खाड़ी
होरिब (सीनै)
किब्रोत हाल्तावा
लाउंट सीनै (होरिब)
लाल सागर
अक्बाह की खाड़ी
एताम
मीआब
आककों
मिज्पा
सार्फेद
गिज़रेल
तोफेद
टिबेरियस
रमोला
जेजरेल
गादर
दोर
योकनेयाम
शरुहन
अश्दोद
अश्कलोल
योकनेयाम
गाजा
जेबूलून
अबेलमैम
बाशान
कामेफ़ का कदेश बलानया?
फिलोथ

कर उपज के रूप में दिए जाते थे

- भण्डार-नगर थे, जहाँ कर के रूप में दी गई अनाज की पूर्ति रखी जाती थी।
- इसहाक को आज्ञा दी गई कि वह मिस्र देश न जाए।
- परमेश्वर इसहाक और उसके कुल को संकट **के बीच से** निकालकर ले जाएगा, न कि संकट **से बाहर**।

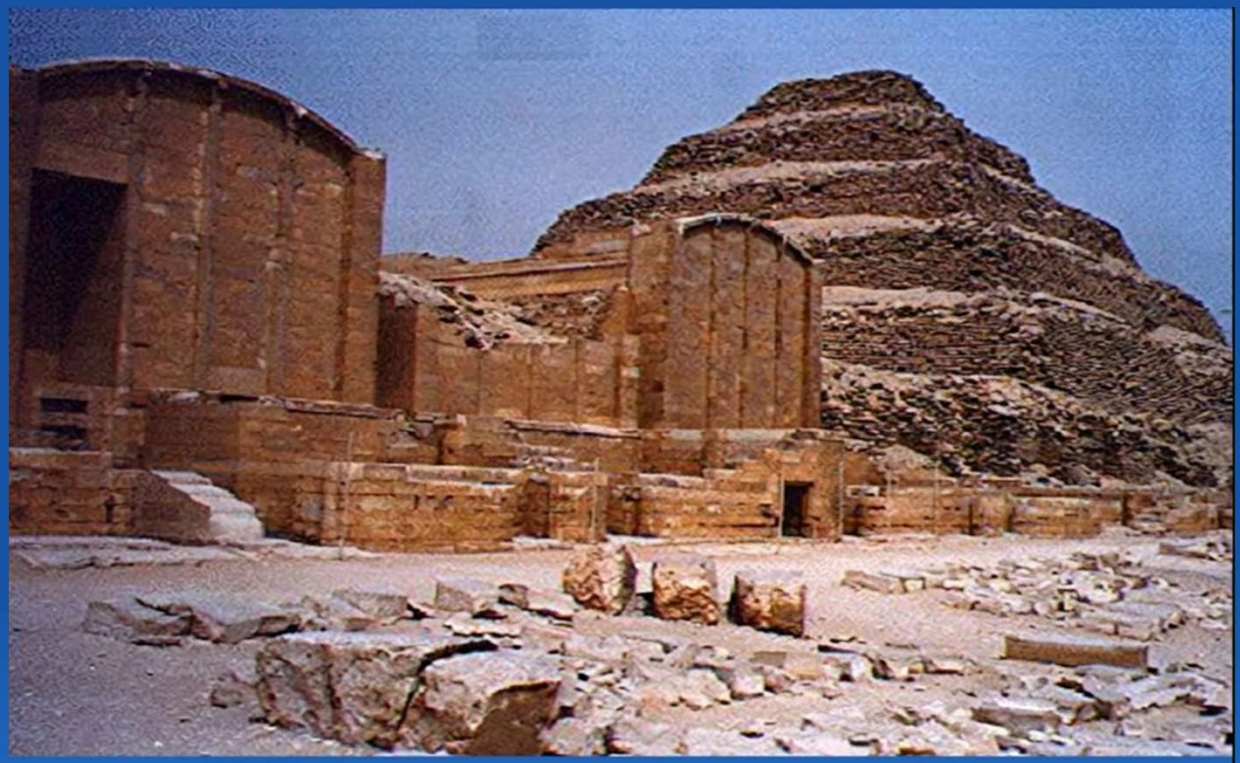

मिस्र में प्राचीन अनाज गोदाम

अध्याय २६, अध्याय २५ से पहले घटित होता है

- एसाव और याकूब अभी तक जन्मे नहीं थे।
- "यहोवा प्रकट हुआ....." **यहोवा**।
- **"वै-येराह"** = प्रकट होना – दिव्य प्रकाशन।
- **"वै-योमेर"** = वचन – दिव्य वाणी।
- "प्रकट होना" सामान्यतः दृश्य रूप नहीं होता..... यह सामान्य रूप से **परमेश्वर की समीपता** को सूचित करता है।
- यह अबीमेलेक वही नहीं है जिससे अब्राहम का व्यवहार हुआ था।
- अबीमेलेक एक उपाधि है, "पिता-राजा" का पदनाम।

पद ३ परमेश्वर इसहाक को पुनः अपनी प्रतिज्ञाएँ स्मरण कराता है

- अपनी परिस्थितियों को देखकर इसहाक को पुनः आश्वासन की आवश्यकता थी।
- **पद ४ "...जिससे पृथ्वी की सारी जातियाँ तेरे वंशजों के द्वारा अपने आपको आशीषित करेंगी..."**
- **सिद्धान्त: समस्त मानवजाति की आशाएँ और कल्याण इस्राएल से गहराई से जुड़े हुए हैं!**
- उत्पत्ति अध्याय ४८, ४९ और ५० अधिक जानकारी और रहस्य जोड़ते हैं।
- बाइबिल में "जातियाँ" शब्द मुख्यतः लोगों को संदर्भित करता है, न कि निश्चित सीमाओं वाले भौगोलिक क्षेत्र को।
- जाति = लोगों का एक स्पष्ट समूह।
- जाति और देश एक समान नहीं हैं।

इसहाक और अबीमेलेक

- इसहाक ने आज्ञा मान ली और कनान देश में ही रहा।
- इसहाक ने स्थानीय लोगों से कहा कि रिबका उसकी **बहन** है।
- अबीमेलेक ने देखा कि यह **झूठ** है!
- **स्वरूप:**
  १) अकाल पड़ना। २) मिस्र जाने का विचार। ३) पलिश्तियों का राजा पत्नी को देख लेता है। ४) झूठ बोलना।
- अबीमेलेक इसहाक के परमेश्वर को **"यहोवा"** कहकर पुकारता है।

पद १३: क्या इसहाक फसल बोता है?

- भेड़-बकरियों और गाय-बैलों के स्वामियों के लिए बड़ा बगीचा लगाना असामान्य नहीं था। यह स्थायी रूप से बस जाने का संकेत **नहीं** था।
- **सौ गुना** फसल की उपज परमेश्वर का अलौकिक कार्य थी।
- पलिश्ती लोग इसहाक से ईर्ष्या और भयभीत हो गए, और उसके कुल को खतरे के रूप में देखने लगे।
- यह एक ऐसा स्वरूप है जो पूरे इतिहास में इब्रियों, इस्राएलियों और यहूदियों के साथ बार-बार दोहराया जाएगा।

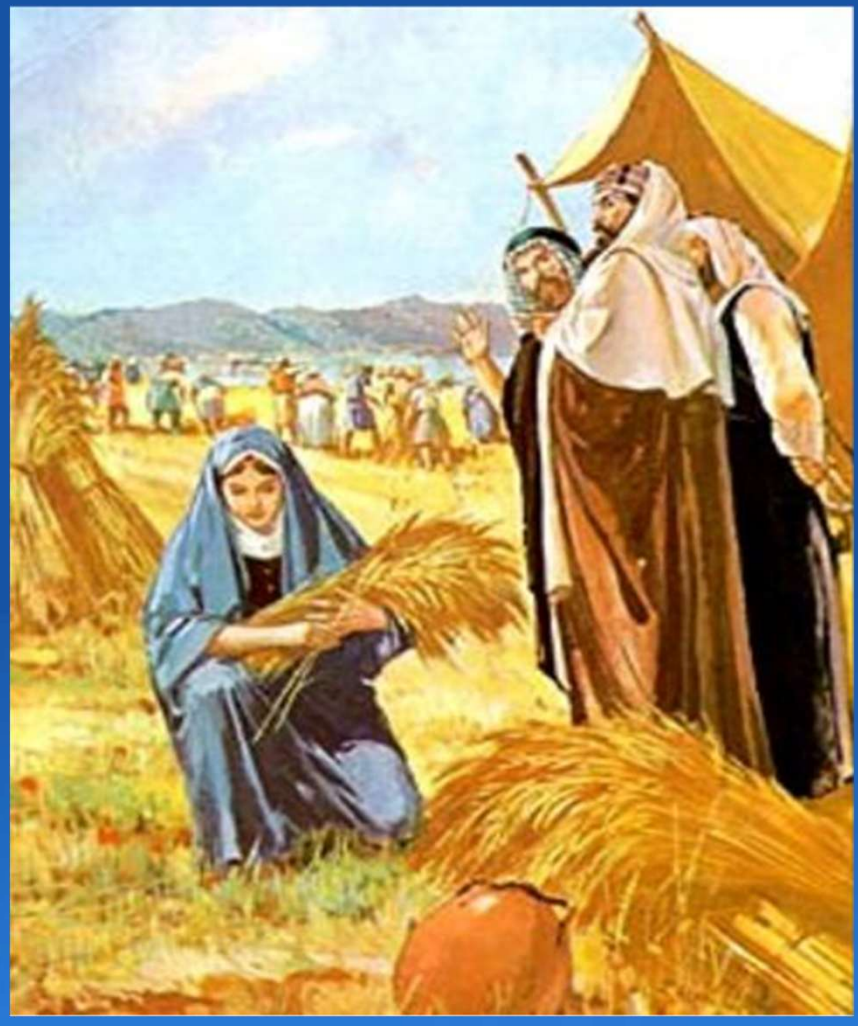

मत डर!

- इसहाक भयभीत था।
- सम्भवतः उसे ऐसा लग रहा था कि अबीमेलेक से युद्ध न करके वह असफल हो गया।
- अबीमेलेक शान्ति-सन्धि करने के लिए आया।
- **अहुज्जत**, सेनापति का प्रधान।
- **फीकोल**, सेना का सेनापति।
- बेरे-शेबा पलिश्तियों के देश की सीमा पर स्थित था, इसलिए अबीमेलेक को असुरक्षा का अनुभव हो रहा था।

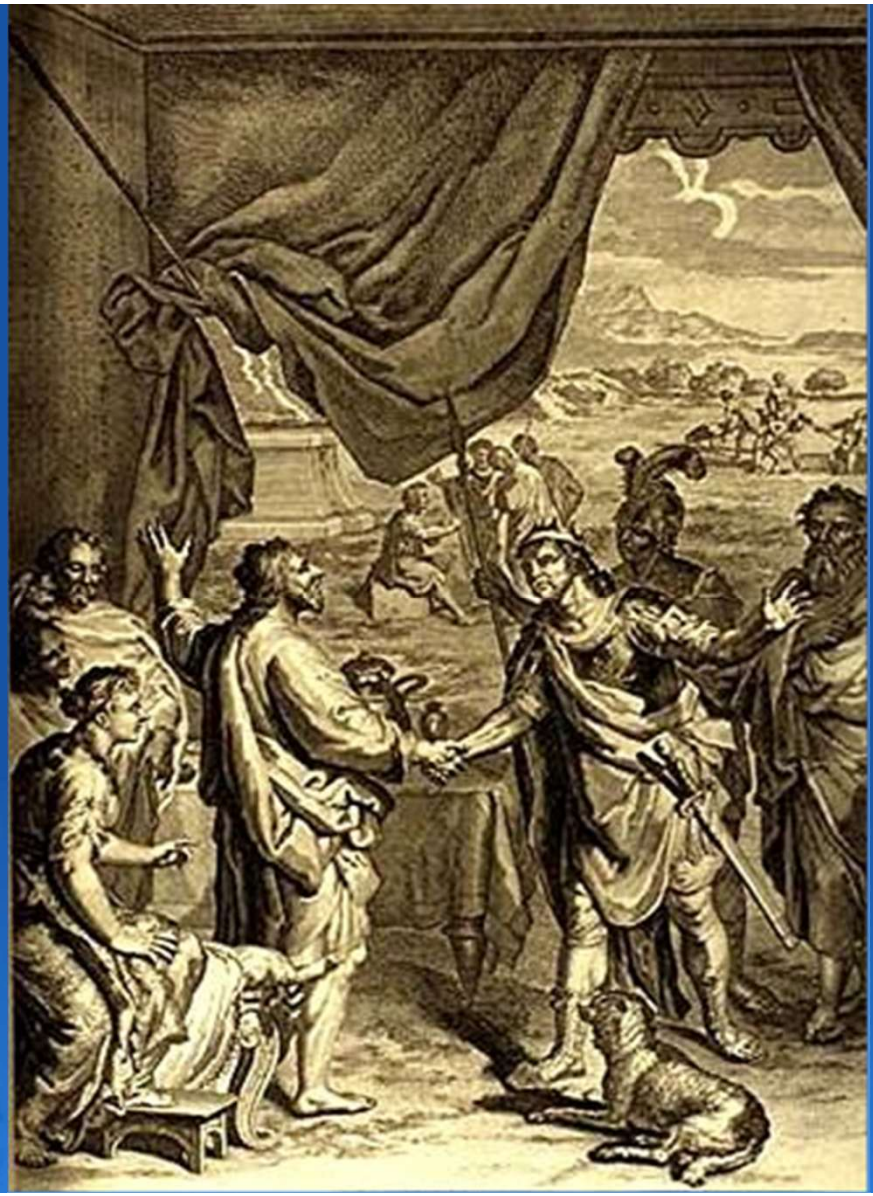

इसहाक का बे'एर-शेबा की ओर जाना

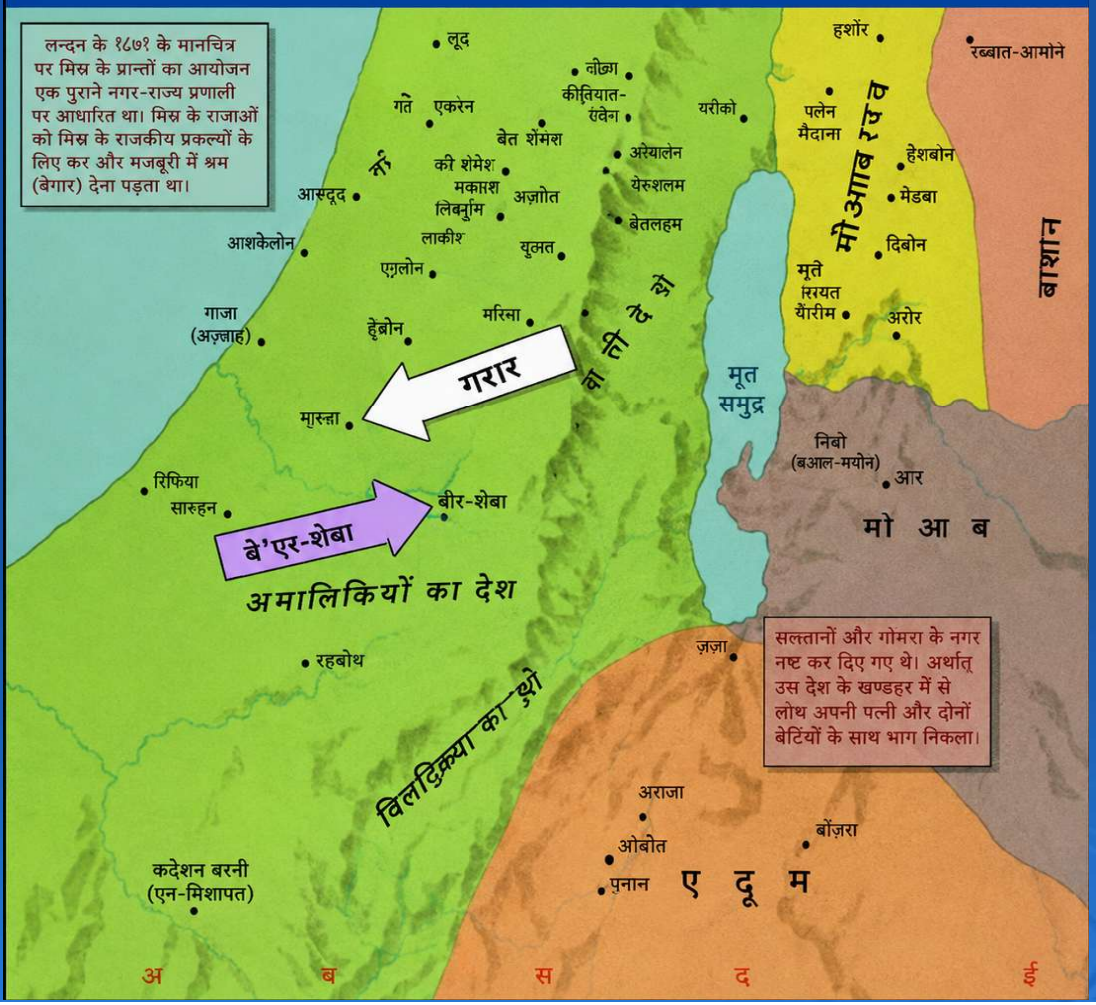

- पलिश्ती इसहाक से **कमजोर** राष्ट्र थे।
- इसहाक के वहाँ से चले जाने के बाद भी पलिश्ती **सन्तुष्ट** नहीं हुए।
- **बेर-शेबा** = सात का कुआँ।
- यह इसहाक के लिए प्रसिद्ध स्थान था; वह अब्राहम के साथ कुछ समय तक वहाँ रहा था।
- बेर-शेबा केवल एक **मरूद्यान** (ओएसिस) ही था।